डायमण्ड कॉमिक्स

महाबली शाका और धोखेबाज शिकारी

M-46 2.50

महाबली शाका और धोखेबाज शिकारी

जंगल में शांति का साम्राज्य था- महाबली शाका का यह पूर्वज शिकार के लिए निकला था।

बस, ये गया मेरा तीर!

लेकिन तभी-

शाका-शाका क्या तुम ही हो?

मुझे आवाज कौन दे रहा है?

शाका आवाज की दिशा में घूमा-

कहो क्या बात है? क्यों आवाज दे रहे थे?

भगवान का शुक्र है, जो तुम मिल गए

अब शांति से बैठो और मुझे पूरी बात बताओ!

महाबली, प्लेग फैल रहा है, उत्तर दिशा से बढ़ता हुआ यह गांव के गांव नष्ट करता आ रहा है!

महाबली शाका उससे विदा करके चल पड़ा-

ठीक है, मैं एक बार तुम्हारे गांव जरूर आऊंगा! देखूं शायद तुम्हारी कुछ मदद कर सकूं!

धन्यवाद महाबली! गांव के मुखिया ने मुझसे कहा कि किसी ऐसे आदमी को लाऊं जो कुछ मदद कर सके!

और फिर जल्दी ही-

महाबली शाका! आखिर तुम मिल ही गए. तुम्हारे मित्र ने हमें बताया कि तुम इधर मिलोगे!

मैं जल्दी में हूं, कहो, मैं क्या कर सकता हूं?

तुम्हारे लिए एक प्रस्ताव है शाका, अगर तुम मेरे दोस्त जाको के साथ लड़ो तो मैं तुम्हें पांच हजार रूपए दूंगा!

माफ करना, मैं नहीं लड़ सकता, उत्तर में प्लेग फैला है!

लेकिन महाबली, सोचो तो, पांच हजार तुम्हारे कितने काम आयेंगे?

नहीं!

लेकिन महाबली शाका ने उनकी बात नहीं मानी - और चला गया।

हम उसे इतनी आसानी से नहीं छोड़ सकते!

तुम चिन्ता मत करो! मुझे मालूम है प्लेग किधर फैला है- हम उधर चल कर एक बार फिर कोशिश करते हैं!

क्या यार! इतने घने जंगल में उसे कहां ढूंढेंगे?

मैं उससे भिड़ने के लिए तैयार हूं!

बस थोड़ी दूर और चलना है, हम उसके पद चिन्हों के सहारे उसे पकड़ लेंगे!

और फिर जल्दी ही -

वो रहा! सीधे चलते रहो!

ये बदमाश फिर आ गये... खैर, मेरा उत्तर अब भी वहीं रहेगा!

और फिर-

देखो शाका... एक अकेला आदमी प्लेग के विरुद्ध क्या कर सकता है लेकिन पांच हजार बहुत कुछ कर सकते हैं!

मेरा उत्तर अब भी वही है, और वही रहेगा!

देखो मैं तुम्हें अभी पांच हजार का चैक काट देता हूं, तुम अब हमारी बात मान जाओ!

ज्यादा होशियार मत बनो! अपना हाथ ऊपर उठाओ!

लेकिन उसने महाबली शाका का हाथ न छोड़ा-

मैं कहता हूं जाने दो!

आह!

छोड़ो!

उसे जाने दो बॉस!

और फिर महाबली शाका घनी झाड़ियों में खो गया।

तुम्हें इसका दण्ड भुगतना पड़ेगा शाका!

वो तो बाद में इसे भुगत लेंगे- पहले इसे अपने काम के लिए पटाओ!

चलते-चलते दोपहर हो गई- महाबली शाका पानी पीने के लिए रुका-

कल सुबह मैं उनके गांव पहुंच जाऊंगा!

महाबली शाका ने घूमने की कोशिश की. लेकिन...
हां! मेरे शिकंजे से छूटना आसान नहीं, महाबली!
जाको! बस इसे कुछ सेकिंड और ऐसे ही पकड़े रहो!

अब हो गया इसका काम तमाम!
शाबाश पीटर, सही निशाना लगाया!
आऽऽह

लेकिन-

कम्बख्त को मार-मार कर भुर कर दूंगा!

नहीं जॉन, गुस्सा थूक दो-तुम तो हमारी लाखों की योजना को धूल में मिलाने पर तुले हो!

जाको! तुमने बहुत बढ़िया काम किया, मैं तुमसे खुश हूं!

थैंक्यू बॉस ये तो मेरा फर्ज था!

अंधेरा घिर चुका था- जब शाका की नींद खुली-

बॉस! वह उठ रहा है!

ठीक है जान, तुम गाड़ी सम्भालो... मैं पीछे जाकर उससे बात करता हूं!

पीटर पीछे आकर शाका से बात करने लगा-

देखो शाका, दो घण्टे में हम लाखुदान में होंगे. अगर तुम कल इस वक्त भी भागना शुरू करो तो भी स्लेग वाले इलाके में नहीं पहुंच पाओगे!

और यह किसकी वजह से हुआ?

और फिर वे शाका को लेकर एक घर की ओर बढ़े-

शाका क्यों न तुम ऐसा काम करो, जिससे पैसा कमा सको. तुम पैसे से हजारों लोगों की जिन्दगी बचा सकते हो!

तुम अपना टाइम बेकार कर रहे हो बॉस! ये हमारी बात नहीं मानने वाला!

उन्होंने तहखाने में ले जाकर शाका को हथकडियां पहना दीं।

तुम लोगों के इरादे कभी पूरे नहीं होंगे!

तुम इस जगह से नहीं भाग सकते शाका! क्योंकि इन जंजीरों को जाको तक नहीं तोड़ सकता!

पीटर अपने स्नान को पूरा करने में जुट गया।

जीवन! तेरे लिए एक काम है, बड़ा आसान है - पांच सौ रुपये दूंगा - अच्छा हजार दूंगा - ठीक है?

उसी दोपहर को—

ठीक है जीवन, जब जी॰ के॰ फाउंडेशन के सदस्य यहां आयेंगे, तब जान उनसे मिलेगा, और तुम उससे मेरे लिए चैक ले आना!

ठीक है बॉस! जैसा तुम कहो वैसा ही होगा!

अब तुम दूसरे कमरे में हमारा इंतजार करो! हम किसी आगंतुक का इंतजार कर रहे हैं!

जल्दी ही महाबली शाका हैरान रह गया।

हमने फैसला कर लिया है शाका- हम अपनी बात के लिए तुम पर जोर नहीं डाल सकते- तुम आजाद हो!

ठीक है, तो मुझे आजाद करो, और जंगल के पास छोड़ दो!

और फिर जब महाबली शाका जाने लगा-

अरे, ये तो जी. के. फाउंडेशन के आदमी हैं- ये यहां क्या कर रहे हैं!

शाका, बड़ी खुशी की बात है, जो तुमने स्वीकार कर लिया है, धन्यवाद!

महाबली शाका को लगा जैसे वह किसी जाल में फंसने जा रहा है- लेकिन उसने उस संस्था को निशाना बनाना उचित नहीं समझा।

हम किन शब्दों में तुम्हारा शुक्रिया अदा करें?

इसमें अहसान की क्या बात है!

तुम्हारे शो से हमें टिकटों की बिक्री का दस प्रतिशत मिलेगा- जिससे हमें प्लेग से पीड़ित लोगों के लिए दवाइयां खरीदने में मदद मिलेगी!

और इस तरह महाबली शाका जॉन द्वारा कराई गई मुक्केबाजी के लिए तैयार हो गया।
मैं आपके लिए खाना ले आया- कहो कहां लगाऊं?
मेज पर रख दो।
ठीक है, इस तरह मुकाबले बाजी करने पर जी.के. फाउंडेशन काफी धन कमा लेगा...
...और इससे प्लेग से पीड़ित लोगों के लिए दवाइयां खरीदी जायेंगी- जो कि मेरा मकसद था।

जल्दी ही लड़ाई का दिन आ गया।
इस रास्ते से चलो, स्टेडियम में सब कुछ तैयार है!

कार महाबली शाका को लेकर स्टेडियम के मेन गेट के आगे से निकली—

कमाल है, यहां तो लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी है!

सब लोग तुम्हें देखने के लिए उत्तेजित हुए जा रहे हैं!

शो शुरू होने से कुछ मिनट पहले शाका तैयार होने लगा—

शाका, शो शुरू होने वाला है! तुम अपना चाक् मेरे हवाले कर दो!

क्यों शाका! क्या तुमने पहले भी कुश्ती लड़ी है?

हां, लड़ी है! लेकिन जानवरों के साथ जैसे शेर...

स्टेडियम से बाहर—

ये हुई न बात! ऐसी कुश्ती आज तक नहीं हुई! यही शो हमारी झोली नोटों से भर देगा!

तुम ठीक कहते हो जान, ऐसा शो आज तक नहीं हुआ होगा!

महाबली शाका के स्टेडियम में आते ही शोर मच गया।

वे आ गए! और भीड़ पागल हुई जा रही है!

हमारी फाउंडेशन को अच्छा धन मिल जायेगा जिससे हम सही काम कर सकेंगे!

तभी—

सभी जाकों पर दाव लगा रहे हैं लेकिन मुझे तुम पर भरोसा है!

मैं पूरी कोशिश करूंगा कि तुम्हारा विश्वास बनाए रखूं!

दोस्तो, अब आपके सामने—

मैं यह पांच हज़ार का का चैक जी के फाउंडेशन के मैनेजर गुलशन जी को देता हूं - और फाउंडेशन को टिकटों का भी दस परसेन्ट दिया जाएगा!

वाह! वाह!! वाह!

जब मुकाबला खत्म होगा, तब मैं बकी का रुपया ले लूंगा - अब दोस्तो प्रस्तुत है, वह, जिसका तुम्हें इंतजार है!

वाह! वाह!

उधर जान पीटर और जीवन अपने चक्कर में लगे थे।

तुमने तो कमाल कर दिया बॉस! अब हम सारा माल मत्ता समेट लेते हैं!

लेकिन जाको का क्या होगा?

उस बेवकूफ की भूमिका यहीं तक थी - अब उसका काम खत्म!

जैसे ही घण्टी बजी-दोनों एक दूसरे पर झपटे-

हुऽऽऽ

तीन राउण्ड तक भीड़ चिल्लाती रही...

जल्दी ही शाका ने दांव चलाया।

और अब चौथा राउण्ड शुरू हुआ।

शाका! कोई सारी टिकटों की बिक्री चुरा ले गया!

क्या?

शाका यह बात सुन कर सन्न रह गया- और उसका ध्यान बंट गया।

जल्दी से खेल खत्म करके पता लगाया जाये कि क्या हुआ है!

और फिर जोरदार चिघाड़ के साथ महाबली शाका ने कराटे का जोरदार प्रहार जाको की गरदन पर किया।
याऽऽऽ
कड़ाक!
आह
और जाको गिर पड़ा—
नौ...दस... आउट!
खेल खत्म- अब देखा जाये क्या हुआ?

क्या हुआ... कौन थे ?

जान पीटर और एक आदमी और था-उन्होंने टिकट खिड़की पर हमला करके सब लूट लिया !

महाबली शाका जल्दी से वहां से चलने को तैयार हुआ।

महाबली, अब क्या होगा? इस प्लेग से ग्रस्त लोगों की मदद कैसे करेंगे?

सारा धन चोरी हो गया ! हजारों लोग मारे जाएंगे !

हुम्म-जल्दी से मुझे कागज पैन दो !

कुछ ही क्षण में—
यह पत्र मैंने अपने बैंक को लिखा है—वहां से तुम पचास हजार रुपये जी.के. फाउंडेशन खाते में ट्रांसफर करवा लो!
मैं किन शब्दों में तुम्हारा धन्यवाद करूं?
और दोस्तो अब मैं उस बदमाश जान पीटर से निपटने जा रहा हूं! देखूं वह क्या कर रहे हैं! और उनसे मुझे अपना हिसाब भी चुकाना है!
लेकिन जान पीटर और जीवन भाग चुके थे—महाबली शाका ने जंगल में गहरी छानबीन की. लेकिन...
नहीं महाबली! मैंने हफ्तों से कोई बाहरी व्यक्ति जंगल में नहीं देखा!
तो फि कहां गये अभी ज्य दूर नहीं होंग

लेकिन एक हफ्ता बीत जाने के बाद-

नहीं शाका, जान पीटर का कुछ पता नहीं, न जाने कहां गायब हो गये वो- मैं तुम्हारे लिए खुशखबरी लाया हूं, प्लेग पर काबू पा लिया गया है!

शुक्र है!

दो दिनों बाद-

टायरों के निशान... कहीं ये वही तो नहीं, पिछले गांव के व्यक्ति ने बताया था कि तीन बाहरी व्यक्ति देखे थे!

आग! हो न हो- ये वही हों... कमाल है ये तो वही हैं- जहां मैं पहली बार मिला था!

महाबली शाका धीरे-धीरे उनकी तरफ बढ़ा-

तुम्हारा जंगल में छुपने का विचार अच्छा रहा बॉस! वे हमें सीमाओं पर तलाशते रहेंगे!

शाका उनकी बात सुनकर वापिस जंगल में पहुंचा अ

हूं... यह ठीक है, देखें, क्या यह काम करेगा?

और फिर जब रात हुई तब—

बॉस! देखो तो, उधर कोई चीज हिलती हुई लग रही है!

कोई नहीं है! तुझे वहम हो गया है!

लेकिन—

आह! मुझे बचाओ! मुझे प्लेग हो गया है... आह!

ये तो कोई आदमी है!

वो भी प्लेग का मारा!

अब इसे काफी दूर फैंका जाये!

वह चिल्ला रहा है, उसके पीछे जाओ!

लेकिन... अगर उसे प्लेग हुआ तो?

जाओ!

अंदर ही अंदर डरा हुआ जीवन बंदूक हाथ में लेकर आगे बढ़ा-

जैसा मैंने सोचा था- वो बिल्कुल वैसा ही कर रहे हैं- जाओ मेरे दोस्त!

चांद की रोशनी में जीवन को जेबरे की परछाई भागती दिखी।

ओह!

महाबली शाका अपने अगले कदम की तरफ बढ़ा, जबकि जीवन भाग चुका था।

आह... बचाओ!

ये तो जीवन है- लगता है पागल हो गया है!

इस रास्ते आओ!

अगले ही -पल-

उधर तो नहीं है वो! उस तरफ जाओ... अगर वो न मिले तो तुम पांच मिनट बाद ट्रक में मिलना!

ठीक है बॉस!

जबकि जैक का विचार कुछ और ही था।

इन बेवकूफों की क्या परवाह करनी - सारे माल को लेकर मैं ही भाग जाता हूं!

और तभी शाका ने धलांग लगाई।

याऽऽहू

आह! ये क्या?

महाबली शाका की शक्ति के आगे लुटेरा टिक न सका।

महाबली शाका!

जैक कहां हो तुम?

और तभी पीटर प्रकट हुआ।

हिलना मत जैक, मैं सही निशाना नहीं ले पा रहा हूं!

नहीं! गोली मत चलाना!

पीटर ने गोली चला दी- शाका के पास खुद को बचाने का एक ही तरीका था.

आह!

धांय!

अपनी राइफल हाथ में पकड़े हुए-पीटर एक क्षण स्तब्ध रह गया।

वहीं रुक जाओ!

क्या है?

आह!

पलक झपकते ही शाका ने पीटर की राइफल पकड़ ली-

अभी छोड़ता हूं!

छोड़ो मुझे!

और फिर...

आऽऽह!

... एक ही वार में सारी लड़ाई खत्म हो गई।

आह!

अपने शत्रुओं को शाकाने उनकी स्टेशन वैगन में लादा और चल पड़ा-

एक को और पकड़ना है-जिस हालत में वो था-पकड़ने में मुश्किल नहीं होगी!

महाबली शाका का अंदाजा ठीक था।
'हा, हा, हा! प्लेग- भुतहा घोड़ा...मुझे दूर मत ले जाओ!

और फिर महाबली शाका वापिस चल पड़ा-
ठीक है दोस्तो! अब बाकी का वक्त जेल में काटना बहुत मौज ले ली जंगल में!
आह!
समाप्त

डायमंड कामिक्स में

कार्टूनिस्ट प्राण का

चाचा चौधरी और साबू का नया हंगामा

A.H.W.
Sameer Series

प्राण' चाचा चौधरी और बनारसी ठग

6/-

डायमंड कामिक्स प्रा. लि.
2715, दरियागंज, नई दिल्ली-110002